Regarding the issuance of Scheduled Tribe certificate to Sarania Kachari tribal community in Assam

श्री नव कुमार सरनीया (कोकराझार): माननीय सभापति जी, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने संसद में पहली बार मुझे बोलने का मौका प्रदान किया।

असम में मेरे लोकसभा क्षेत्र में कोच राजबंग्शी, आदिवासी, मोरान, मोटोक, आहोम और चुटिया समुदाय वर्षों से एसटी स्टेटस की मांग कर रहे हैं। राज्य सभा में यह बिल प्लेस किया गया, मॉडल बिल बनाया गया लेकिन अभी तक कुछ भी रिजल्ट नहीं आया है। मैं जानना चाहता हूं कि वास्तव में यह किस स्टेज पर है? कलिता, नाथ योगी, गोरखा भी यही मांग कर रहे हैं। मुझे इनका स्टेटस भी जानना है। सरनिया कछारी असम के आदिवासियों में आते हैं, लेकिन इनको बोडो कछारी/कछारी का स्टेटस मिलता है, इनको आठ महीने से सर्टिफिकेट नहीं मिल रहा है, इस कारण सैंट्रल यूनिवर्सिटी में दाखिला नहीं मिल रहा है और नौकरियां भी नहीं मिल रही हैं। इनको असम सरकार ने बोडो कछारी/कछारी के साथ सरनिया कछारी के नाम से असम की आदिवासी लिस्ट में लिस्टिंग करने के लिए भेजा है। मैं पूछना चाहता हूं कि कब तक यह बिल आएगा? यह इश्यू सात साल से है। मुझे लगता है कि केंद्र सरकार अगर पोजीटिवली रोल निभाएगी तो जल्दी इसका समाधान होगा। हमारा यही आग्रह है और हम चाहते हैं कि जब असम सरकार इसे पोजीटिवली भेज रही है तो इस प्रपोजल के ऊपर केंद्र सरकार जल्दी से जल्दी बिल लेकर आए। धन्यवाद।